सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

कार्य परिषद् की बैठक

दिनांक - 02.01.2022
समय मध्याह्ण - 12:00 बजे से
स्थान - योग साधना केन्द्र

उपस्थिति

1- प्रो. हरेराम त्रिपाठी, कुलपति- अध्यक्ष

2-	प्रो॰ रमेश प्रसाद	**3-**	प्रो॰ महेन्द्र पाण्डेय
4-	प्रो॰ राजनाथ	**5-**	प्रो॰ सुधाकर मिश्र
6-	डॉ॰ विजय कुमार पाण्डेय	**7-**	डा॰ विजय कुमार शर्मा
8-	प्रो॰योगेश चन्द्र दुबे	**9-**	डॉ॰ अरूण कुमार राय
10-	प्रो॰ सीमा सिंह	11-	प्रो॰ हरिप्रसाद अधिकारी
12-	डॉ॰ सत्येन्द्र कुमार यादव	13-	वित्ताधिकारी
14-	कुलसचिव - सचिव		

मंगलाचरण- प्रो. महेन्द्र पाण्डेय

सर्वप्रथम कुलपति महोदय ने सभी सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए कार्यपरिषद् की कार्यवाही प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

कार्यक्रम - 39वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर मानद उपाधि एवं स्नातकों को उपाधि तथा पदक प्रदान करने की संस्तुति पर विचार।

सर्वप्रथम कुलपति महोदय ने विद्या परिषद् को सहर्ष अवगत कराया कि माननीय कुलाधिपति महोदया ने इस वर्ष 39वे दीक्षांत समारोह के अवसर पर बनारस घराने की पौराणिक ठुमरी रानी, पद्म विभूषण गिरिजा देवी जी के गंधबंध शिष्या बनारस के पूरब अंग गायकी के प्रमुख पथप्रदर्शकों में से एक एवं भारत के लोक संगीत की लोकप्रिय कलाकार, पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित, शताब्दी अध्यक्ष-भारत अध्ययन केन्द्र, बी॰एच॰यू॰, वाराणसी एवं मानद प्रोफेसर- मीडिया सेन्टर, जे॰एन॰यू॰, नई दिल्ली की **प्रो॰ मालिनी अवस्थी** को **''वाचस्पति''(डी.लिट्.)** की मानद उपाधि प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की है।

कुलपति महोदय के उपर्युक्त सूचना से अवगत होते हुए, कार्यपरिषद् ने उपर्युक्त सम्मानित विद्वान को ''वाचस्पति''(डी.लिट्.) प्रदान करने की अपनी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

तत्पश्चात् कार्यपरिषद् को अवगत कराया गया कि परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 30.12.2021 की संस्तुति के सातत्य में 39वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सत्र 2021-2022 में उत्तीर्ण स्नातकों (स्नातक/स्नातकोत्तर) को उपाधि पत्र प्रदान किया जायेगा। अद्यतन उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या निम्न है, जिसमें कुछ परिवर्तन भी हो सकता है-

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

परीक्षा समिति का कार्यवृत्त

दिनांक 30.12.2021
समय - अपराह्ण 04.00 बजे
स्थान—कुलपति महोदय का
कार्यालयीय कक्ष।

उपस्थिति—

1.	प्रो॰ हरेराम त्रिपाठी	(कुलपति)	—अध्यक्ष
2.	प्रो॰ महेन्द्र पाण्डेय	(वेद वेदांग संकायाध्यक्ष)	—सदस्य
3.	डॉ॰ विजय कुमार पाण्डेय	(साहित्य संस्कृति संकायाध्यक्ष)	—सदस्य
4.	प्रो॰ सुधाकर मिश्र	(दर्शन संकायाध्यक्ष)	सदस्य
5.	प्रो॰ रमेश प्रसाद	(श्रमण विद्या संकायाध्यक्ष)	सदस्य
6.	प्रो॰ हीरककान्ति चक्रवर्ती	(आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकायाध्यक्ष)	सदस्य
7.	डॉ॰ नीलम गुप्ता (प्राचार्य)	(आयुर्वेद संकायाध्यक्ष)	सदस्य
8.	प्रो॰ राजनाथ	(परीक्षा नियन्त्रक)	सचिव/सदस्य
9.	श्री विजयमणि त्रिपाठी	(सिस्टम मैनेजर)	—विशेष आमंत्रित सदस्य

प्रस्ताव

प्रस्ताव —दिनांक 03.01.2022 को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के 39वें दीक्षान्त—महोत्सव में 2021 वर्षीय परीक्षा के अर्ह पदक प्राप्त करने वाले स्नातकों तथा अन्य समस्त स्नातकों के साथ साथ विद्यावारिधि के शोधार्थियों व अन्य की समेकित **अधोलिखित** सूची के अनुसार पदक/उपाधि प्रदान करने के लिए विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद के स्वीकृति हेतु संस्तुति करने पर विचार।

क्र० सं०	पाठ्यक्रम/कक्षा	छात्र	छात्रायें	कुल उपाधि/प्रमाणपत्र धारक
1	प्रथमा	79	8	87
2	पूर्वमध्यमा	576	173	749
3	उत्तरमध्यमा	506	154	660
4	शास्त्री	5122	3516	8638
5	आचार्य	3122	1700	4822
6	शिक्षाशास्त्री	239	131	370
7	पुरातत्त्व एवं संग्रहालय	18	06	24
8	पत्रकारिता एवं जनसंचार विज्ञान स्नातकोत्तर	42	09	51
9	ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान शास्त्री	26	06	32
10	एम०डी०/एम०एस० आयुर्वेद	09	06	15
11	संस्कृत प्रमाणपत्रीय	2	1	3
12	आयुर्वेदाचार्य	23	19	42
13	विद्यावारिधि	17	09	26
14	वारस्पति	01	00	01
	सम्पूर्ण योग			**15520**

		छात्र	छात्रायें	कुल स्नातक
	स्नातक स्तर पर छात्र एवं छात्राओं की कुल संख्या	5410	3672	9082
	स्नातक स्तर पर छात्र एवं छात्राओं का प्रतिशत	59.57	40.43	
	स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र एवं छात्राओं की कुल संख्या	3173	1715	4888
	स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र एवं छात्राओं का प्रतिशत	64.91	35.09	
	39वें दीक्षान्त महोत्सव पर अर्ह स्नातकों/स्नातिकाओं को प्रदान करने वाले पदकों का विवरण	**छात्र**	**छात्रायें**	**कुल पदक**
	प्रदान किए जाने वाले पदकों की कुल संख्या	**53**	**5**	**58**
	प्रदान किए जाने वाले पदकों में छात्र एवं छात्राओं की संख्या	**33**	**4**	**37**
	प्रदान किए जाने वाले पदकों में छात्र एवं छात्राओं का प्रतिशत	**89.19**	**10.81**	

नोट:-
1—पूर्वमध्यमा में 3 (तीन) छात्रों को सर्वोच्चांक समान होने के कारण तीनों छात्रों को पदक की अर्हता प्रदान की गई है।
2—उत्तरमध्यमा में 4(चार) छात्रों को सर्वोच्चांक समान होने के कारण चारों छात्रों को पदक की अर्हता प्रदान की गई है।
3—उक्त 1 तथा 2 के कारण कुल पदकों की संख्या 63 हो जाएगी, जिससे छात्रों की 58 एवं छात्राओं की कुल संख्या 05 होगी।

निर्णय—दीक्षान्त समारोह में छात्र—छात्राओं को प्रदान की जाने वाली उपाधियों एवं पदकों के उपर्युक्त विवरण को परीक्षा समिति ने सर्वसम्मति से विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद के अनुमोदनार्थ संस्तुति प्रदान की गयी।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर विचार।

पूरक प्रस्ताव 02(1) -आयुर्वेद संकायान्तर्गत संचालित **आयुर्वेदाचार्यः (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी - बी.ए.एम.एस.)** एवं **आयुर्वेद- धन्वन्तरिः (मास्टर ऑफ सर्जरी)** तथा **आयुर्वेद-वाचस्पतिः (डाक्टर ऑफ मेडिसिन)** की उपाधि दो भाषा (संस्कृत व अंग्रेजी) में प्रदान करने सम्बन्धी प्रधानाचार्य, आयुर्वेद के प्रस्तावित अधोलिखित प्रारूप को परीक्षा समिति के स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया, जिस पर विचार।

अनुक्रमांकः Roll No. ---------

आयुर्वेदाचार्यः (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी - बी.ए.एम.एस.)

.... Stu Name. .... पुत्रः / पुत्री श्रीमती .....मातानाम......... इति नाम्न्याः, श्री ....Father Name.... .... इति नाम्नश्च वाराणसीस्थ-राजकीयायुर्वेदमहाविद्यालयतश्चिकित्सालयतश्च पञ्चवर्षं यावन्नियतक्रियाणां सैद्धान्तिकं प्रायोगिकञ्चाध्ययनं सम्पाद्य .... ईशवीये वर्षेऽस्य विश्वविद्यालयस्य आयुर्वेदाचार्यपरीक्षामुत्तीर्य **आयुर्वेदाचार्यपदवीं** लब्धवान्/लब्धवती इति प्रमाणयति।

AYURVEDACHARYA (BACHELOR OF AYURVEDIC MEDICINE AND SURGERY – B.A.M.S.)

This is to certify that ------------------- Son / Daughter of Smt ------------------ and Shri ----------------- - student of Govt. Ayurved College & Hospital, Varanasi has passed the Five years final examination and awarded the degree of '**Ayurvedacharya**' of this University in the year -----------.

वाराणसी / Varanasi
दिनांकः / Date

कुलपतिः
Vice- Chancellor

अनुक्रमांकः Roll No. --------

आयुर्वेद- धन्वन्तरिः (मास्टर ऑफ सर्जरी)

............Stu Name...... .... पुत्रः / पुत्री श्रीमती .. मातानाम ...... इति नाम्न्याः, श्री ....Father Name.... .... इति नाम्नश्च वाराणसीस्थ-राजकीयायुर्वेदमहाविद्यालयतश्चिकित्सालयतश्च वर्षत्रयं यावन्नियतवि षयाणां सैद्धान्तिकं प्रायोगिकञ्चाध्ययनं सम्पाद्य .... ईशवीये वर्षेऽस्य विश्वविद्यालयस्य **'आयुर्वेद- धन्वन्तरिः'** (मास्टर ऑफ सर्जरी) इति परीक्षामुत्तीर्य 'आयुर्वेद- धन्वन्तरिः' (मास्टर ऑफ सर्जरी) इत्युपाधि धारणे अधिकृतः/अधिकृता इति प्रमाणयति।

अस्य/अस्याः विशेषाध्ययनविषयः .... आसीत्।

AYURVEDA DHANVANTARI (MASTER OF SURGERY – M.S.)

This is to certify that -------------------- Son / Daughter of Smt ------------- ----- and Shri ----------- ----- -- student of Govt. Ayurved College & Hospital, Varanasi has passed the Three Years final examination and awarded the degree of **'Ayurveda Dhanvantari'** (Master of Surgery – M.S.(Ay.)) of this University in Ayurved in the year ----------.
His / Her specialisation was ------------------.

वाराणसी / Varanasi — **कुलपतिः**
दिनांकः / Date — **Vice- Chancellor**

अनुक्रमांकः Roll No. ---------

आयुर्वेद-वाचस्पतिः (डाक्टर ऑफ मेडिसिन)

...Stu_Name. .... पुत्रः / पुत्री श्रीमती ......मातानाम .... इति नाम्न्याः, श्री ...... ather Name............... इति नाम्नश्च वाराणसीस्थ-राजकीयायुर्वेदमहाविद्यालयतश्चिकित्सालयतश्च वर्षत्रयं यावन्नियतविषयाणां सैद्धान्तिकं प्रायोगिकञ्चाध्ययनं सम्पाद्य .... ईशवीये वर्षेऽस्य विश्वविद्यालयस्य **'आयुर्वेद-वाचस्पतिः'** (डाक्टर ऑफ मेडिसिन) इति परीक्षामुत्तीर्य 'आयुर्वेद-वाचस्पतिः' (डाक्टर ऑफ मेडिसिन) इत्युपाधिधारणे अधिकृतः/अधिकृता इति प्रमाणयति।

अस्य/अस्याः विशेषाध्ययनविषयः .... आसीत्।

AYURVEDA VACHASPATI (DOCTOR OF MEDICINE – M.D.)

This is to certify that ------------------ Son / Daughter of Smt ------------------ and Shri ----------------- - student of Govt. Ayurved College & Hospital, Varanasi has passed the Three Years final examination and awarded the degree of **'Ayurveda Vachaspati'** (Doctor of Medicine – M.D.(Ay.)) of this University in Ayurved in the year ----------.
His / Her specialisation was ------------------.

वाराणसी / Varanasi — **कुलपतिः**
दिनांकः / Date — **Vice- Chancellor**

निर्णय—प्रधानाचार्य / संकायाध्यक्ष आयुर्वेद द्वारा प्रस्तावित द्विभाषीय उपाधि के प्रारूप को छात्रहित के दृष्टिगत परीक्षा समिति ने सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति प्रदान करते हुए आगामी विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद से अनुमोदित कराने की संस्तुति प्रदान की।

पूरक प्रस्ताव 2(2)— येशी फुनछोक द्वारा अधोलिखित कक्षाओं के द्वितीय प्रति अंकपत्र की मांग की गई है। छात्र केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी का है।

(1) पूर्वमध्यमा प्रथम अनुक्रमांक 28 वर्ष 1980 पर नाम येशी फुनछोक पितानाम तेजजिन नामग्याल जन्म तिथि 01.07.1962 उल्लिखित है।
(2) पूर्वमध्यमा द्वितीय अनुक्रमांक 64 वर्ष 1981 पर नाम तथा छपाई अस्पष्ट होने के कारण ओवर राइटिंगकर पूर्वमध्यमा प्रथम जैसा नाम बनाया गया है।
(3) उत्तरमध्यमा प्रथम अनुक्रमांक 96 वर्ष 1982 पर नाम ये शैछ फुनछोक पितानाम नमग्याल उल्लिखित है।
(4) उत्तरमध्यमा द्वितीय अनुक्रमांक 134 वर्ष 1983 पर नाम हाथ से संशोधित कर ये शैछ फुनछोक लिखा गया है जिस पर किसी का हस्ताक्षर नहीं है।

निर्णय— उपर्युक्त प्रस्ताव के क्रम में समिति के अवलोकनार्थ पूर्वमध्यमा प्रथम व द्वितीय तथा उत्तरमध्यमा प्रथम व द्वितीय की मूलसारणीयन पंजिकाओं को प्रस्तुत किया गया। परीक्षा समिति ने सारणीयन पंजिकाओं का सम्यक्रूप से अवलोकन / परीक्षण करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि **पूर्वमध्यमा प्रथम, पूर्वमध्यमा प्रथम के आधार पर पूर्वमध्यमा द्वितीय का तथा उत्तरमध्यमा दोनों खण्ड की सारणीयन पंजिकाओं में अंकित / लिखे गये विवरण के आधार पर द्वितीय प्रति अंक पत्र निर्गत किया जाय।**

परीक्षा नियंत्रक के धन्यवाद ज्ञापन के उपरान्त परीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

31-12-21
परीक्षा नियंत्रक
सचिव / सदस्य—परीक्षा समिति
सं० सं० वि० वि०,वाराणसी।
31/12/21

पत्रांक प.नि. 5042 / 2021 दिनांक 31.12.2021
प्रतिलिपि : सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित —
1. सचिव—कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. परीक्षा समिति के महानुभाव।
3. सिस्टम मैनेजर।
4. आशुलिपिक कुलसचिव।
5. सहायक कुलसचिव (परीक्षा)।
6. अधीक्षक परीक्षा (द्वय)।
7. सम्बद्ध पत्रावली।

31-12-21
परीक्षा नियंत्रक
सचिव / सदस्य—परीक्षा समिति
सं० सं० वि० वि०,वाराणसी।
31/12/21

कार्यपरिषद् को यह भी सूचित किया गया कि विद्या परिषद् ने अपनी बैठक दिनांक 02.01.2022 में **"वाचस्पति"(डी.लिट्.)** एवं सत्र 2021-22 में उत्तीर्ण स्नातकों को उपाधि तथा मेधावी 37 छात्रों को 58 पदक प्रदान करने की संस्तुति के साथ ही **"आयुर्वेदाचार्य"** (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी-बी.ए.एम.एस.) एवं **"आयुर्वेद-धनवन्तरिः"** (मास्टर ऑफ सर्जरी) तथा **"आयुर्वेद-वाचस्पतिः"** (डाक्टर ऑफ मेडिसिन) की उपाधि दो भाषा (संस्कृत एवं अंग्रेजी) में प्रदान करने सम्बन्धी प्रस्तुत प्रारूप पर स्वीकृति प्रदान की है।

विचार-विमर्श के अनन्तर कार्यपरिषद् ने विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 02.01.2022 की संस्तुति पर स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्मानित विद्वान को "वाचस्पति"(डी.लिट्.) एवं सत्र 2021-22 में उत्तीर्ण स्नातको को उपाधि पत्र एवं 37 मेधावी छात्रों को 58 पदक प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।

अंत में माननीय अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभा विसर्जन करने की घोषणा की।

कुलसचिव
सं.सं.वि.वि.,वाराणसी